[श्री मधु लिमये]

नहीं कहना है । मैं ने जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिये है, उन को आप मान लीजिए।

अध्यक्ष महोदय : ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में ये सब मामले नहीं मान लिये जाते हैं। माननीय सदस्य इस बारे में रेज़ोल्यूशन या शार्ट ड्यूरेशन की डिस्कशन का नोटिस दें ।

श्री मधु लिमये : मैंने अल्प-सूचना प्रश्न भी दिये हैं।

अध्यक्ष महोदय : जब वे आयेंगे, तो उन को देखेंगे ।

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): We cannot have calling-attention notice?

Mr Speaker: In all these matters, I have said that they could not be combined together in this manner.

श्री मधु लिमये : मैंने अलग अलग दिया है ।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य के नोटिस आये थे। मैंने उन में से कोई ऐसा नहीं समझा, जिस को मन्जूर किया जा सके। अगर माननीय सदस्य यह महसूस करते हैं कि उन में से किसी नोटिस को जरूर एडमिट करना चाहिए, तो वह उस का हवाला दे कर एक लाइन मुझे लिख दें । मैं फिर उस को देख लूंगा । अगर वह तकलीफ़ कर सकें, तो वह मेरे पास आ जायें । मैं उन सब नोटिसिज को भी निकलवा कर देखने के लिए तैयार हूं ।

श्री स०मो०बनर्जी : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना सिर्फ इतना है कि काश्मीर के बारे में यह कहा गया था कि अभी उस के मुताल्लिक कोई सवालात न उठाये जायें । लेकिन ये कालिंग एटेन्शन नोटिसिज इस लिए दिए गए हैं कि अखबारों में समाचार आ जाते हैं और वे हम को मालूम नहीं होते हैं। अगर मंत्री महोदय खुद ही इन बातों के बारे में बयान दे दिया करें—काश्मीर का मामला युनाइटिड नेशन्ज में जाने की बात हो रही है, वेस्ट्रन पावर्ज काफ़ी दबाव डाल रही है, कछार के इलाके में पाकिस्तान की फ़ोर्सिज जमा हो रही हैं, वग़ैरह— तो हमें ये नोटिस देने की जरूरत ही न पड़े, हमें हाउस को परेशान न करना पड़े । आखिर मंत्री महोदय को भगवान ने अक्ल दी है ।

अध्यक्ष महोदय : भगवान ने हर एक को अक्ल दी है ।

श्री मधु लिमये : विदेशिक कार्य मंत्री आए हैं। आप उन से पूछिए कि क्या वह कोई वक्तव्य देना चाहते है।

12.05 hrs.

RE: BUSINESS OF THE HOUSE

Shri Frank Anthony (Nominated—Anglo-Indians): Before you proceed further, Mr. Speaker, may I make a request? You will not be in the Chair later on. On this Aligarh University Bill we have already used two out of the four hours; there was the Mover of the Resolution and the Education Minister who spoke. It is a very important matter and many of us feel that we should have at least 2—3 hours extension of time.

Mr. Speaker: I will try; if that is the consensus of the House we will extend it by two hours.

12.06 hrs.

FINANCE (No. 2) BILL, 1965—*contd.*

Mr. Speaker: The House will now take up Finance (No. 2) Bill. We were on clause 25. Mr. Bade has to continue his speech. There are about 1½ hours left.